University in News on 01 September 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

कोरिया, यमन और श्रीलंका तक पहुंची लविवि के पदकों की चमक

इस बार विश्वविद्यालय के दीक्षांत में तीन विदेशी मेधावी होंगे पदक से सम्मानित

विनीत चतुर्वेदी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बेहतरीन शैक्षिक गुणवत्ता, यहां के समावेशी और मिलनसार वातावरण की वजह से इसमें शिक्षा ग्रहण करने को लेकर आकर्षण बढ़ा है। इस बार लविवि के मेधावियों की सूची में कोरिया, यमन और श्रीलंका के तीन विदेशी छात्रों ने भी परचम लहराया है, जिन्हें लविवि के 68वें दीक्षांत समारोह में पदक से नवाजा जाएगा।

रिपब्लिक ऑफ कोरिया देश की छात्रा की-जुंग जंग को परास्नातक भाषा विज्ञान में शानदार प्रदर्शन के लिए जयराम देवी खुनखुन जी स्वर्ण पदक से नवाजा गया है। उन्हें 75.75 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वह भारत में रहकर कोरियन भाषा पढ़ाना चाहती हैं।

यमन देश के अब्दुलकाफी अबुल्ला गालेब अहमद अल रफई को अरबी भाषा में परास्नातक के लिए राजा हरनाम सिंह-सर हरकोर्ट बटलर गोल्ड मेडल से नवाजा जा रहा है। अब्दुलकाफी को अरबी में 88 फीसदी अंक हासिल हुए हैं। अपने देश यमन में अरबी भाषा के अध्यापन में अपना कॅरिअर बनाना चाहते हैं।

श्रीलंका देश के छात्र वेनुरा दिलशंका डि सिल्वा को रागिनी उपाध्याय स्वर्ण पदक मिल रहा है। उन्होंने विजुअल आर्ट्स से परास्तक में 78 फीसदी अंक हासिल किए हैं। वेनुरा ने बताया कि बचपन में ही उनके माता-पिता दोनों का देहांत हो गया। इसके बाद उनका जीवन संघर्ष में बीता, लेकिन हार नहीं मानी। उन्होंने सफलता का श्रेय लविवि के शिक्षकों को दिया।

छात्रा की-जुंग जंग।

छात्र अब्दुलकाफी अबुल्ला गालेब।

छात्र वेनुरा दिलशंका।

बढ़ रहा है विवि के प्रति रुझान

लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल 2025-26 में प्रवेश के लिए लगभग 75 देशों से 2300 से ज्यादा आवेदन आए। यह दर्शाता है कि लविवि में अध्ययन के लिए विदेशी छात्रों में आकर्षण बढ़ा है।

ये हैं आकर्षण की वजहें

- लविवि में पठन-पाठन का स्तर राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद विश्वस्तरीय हुआ है।
- लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग, स्तरीय और आरामदायक अंतरराष्ट्रीय छात्रावास से भी उनमें सुरक्षा भाव और भरोसा बना है।
- विश्वविद्यालय में प्रोफेशनल कोर्सों की फीस में कटौती भी विदेशी विद्यार्थियों के आकर्षण की बड़ी वजह है।
- विदेशी छात्रों के भाषा और संवाद से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए आयोजित होने वाली विशेष कार्यशालाओं से उनकी काफी मदद हो जाती है।

इन देशों के विद्यार्थी हो रहे आकर्षित

विदेशी विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय में रहकर भारत की संस्कृति, साहित्य, संगीत के साथ-साथ अंग्रेजी और प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रमों को पढ़ने में रुचि दिखा रहे हैं। अफगानिस्तान, इंडोनेशिया, म्यामार, श्रीलंका, नेपाल, तजाकिस्तान, रूस, केन्या, और नामीबिया जैसे देशों से लविवि आने वाले विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा है।

AMRIT VICHAR PAGE 8

पुनश्चर्या | लविवि में हिंदी विभाग में आयोजित किया गया कार्यक्रम

प्रवासी हिंदी साहित्य में नहीं बदला भारतीय मन और चेतना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का समापन हुआ। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र दूबे ने प्रवासी हिन्दी साहित्य समकालीन कहानियों के विशेष संदर्भ में विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

प्रो. सुरेन्द्र दूबे ने प्रवासियों की तीन कोटियों का उल्लेख किया जो इतिहास में तीन भिन्न कालावधि में विविध कारणों से प्रवासी हुए। इन तीनों कोटियों के प्रवासी साहित्य में प्रयोजन, अंतर्वस्तु, पृष्ठभूमि, वातावरण, भावात्मक परिवेश और भाषाशिल्प भी अलग हैं। एक विशेष साम्य जो इनमें है वह है भारतीय मन और भारतीय चेतना। लक्ष्मी मल्ल सिंघवी ने डायस्पोरा के लिए एक शब्द दिया भारतवंशी। उन्होंने मॉरीशस में बीसवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में प्रकाशित होने वाली 'दुर्गा' पत्रिका का उल्लेख किया। समकालीन प्रवासी कहानियों के संदर्भ में उन्होंने तेजेन्द्र शर्मा, दीपचंद बिहारी सहित अन्य प्रमुख लेखक-लेखिकाओं की कहानियों का विशद विवेचन किया। डॉ. दीपा ने प्रो. दूबे सर का स्वागत एवं विस्तृत रचनात्मक और अकादमिक परिचय कराया तथा डॉ. प्रीति प्रिया जी ने प्रो. सुरेन्द्र दूबे सर का धन्यवाद ज्ञापन किया।

हिंदी पुनश्चर्या कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : आज से दीक्षा सप्ताह समारोह, होंगी प्रतियोगिताएं

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार से दीक्षा समारोह सप्ताह की शुरुआत होगी। इसके लिए जंतु विज्ञान, कंप्युटर साइंस सहित कई विभागों ने कार्यक्रम की समय सारिणी जारी कर दी है। जंतु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. सेराजुद्दीन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मोबाइलोग्राफी प्रतियोगिता से होगी। इसमें विद्यार्थियों अपने मोबाइल से कैंपस की फोटो खींचनी कर भेजनी होगी। निर्णायक मंडल की ओर से बेस्ट चार फोटो का चयन किया जाएगा।

दीक्षारंभ कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष व अन्य छात्र-छात्राएं।

दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में दीक्षारंभ अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एमएससी प्रथम सेमेस्टर के नए विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना अनुपस्थित रहकर भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन की। उत्कृष्टता तथा समग्र विकास की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सिराजुद्दीन ने शैक्षणिक गतिविधियों का परिचय दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने स्मृतियों को साझा किया। प्रो. एन. के. पाण्डेय ,फरहा सरोश, प्रो. शीला मिश्रा, अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय, जैवरसायन विभाग, प्रो. मोनिषा बनर्जी, प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. अमित त्रिपाठी, डॉ. सुचित स्वरूप, डॉ. राजेश खरवार, डॉ. मधु गुप्ता, डॉ. परमजीत सिंह, डॉ. नितीश उपस्थित रहे।